

---

# Shri Sharada Devi Stotram

---

## श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Sharada Devi Stotram

File name : shAradAdevIstotram3.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Brahmachari Badala

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्



ॐ ह्रीं विशुद्धां प्रकृतिस्वरूपां  
आधारभूतां जगदादिशक्तिम् ।  
दयास्वरूपां जगदात्मिकां वै  
श्री शारदां त्वां प्रणमामि नित्यम् ॥ १ ॥

साह्यैश्च वेदैरपि सर्वशास्त्रैः  
ज्ञेया न माता परमासि माया ।  
तव प्रसादाद्धिदिता भवेस्त्वं  
प्रसीद देवेशि गतिस्त्वमेका ॥ २ ॥

रक्ताम्बरा त्वं जगदम्बिका वै  
त्वं वेदमूर्तिर्भुवि विश्वधात्री ।  
सृष्टेः स्थितेश्च प्रलयस्य कर्त्री  
पदाम्बुजं मे तव देहि मातः ॥ ३ ॥

दात्रीं जनेभ्यो भवबन्धमुक्ते-  
रनन्तवीर्यां शशिसूर्यनेत्राम् ।  
आब्रह्मलोकाः प्रणमन्ति यां तां  
नमाम्यहं शारदशारदाम्बाम् ॥ ४ ॥

देवीं हि शम्भोः परमस्य विष्णोः  
प्रियां च सीतां रघुनन्दनस्य ।  
श्री शारदां वा अवतारमुख्य  
श्री रामकृष्णस्य नमामि भूयः ॥ ५ ॥

व्यैक्षन्त सिद्धा स्तव शक्तिमन्त्रं  
तेजोमयं यं हि तपोभिरुग्रैः ।  
तमेव नृणां भव मोक्षसेतुं  
जाने तु नाहं शरणागतस्ते ॥ ६ ॥

नक्तन्दिवं यद् यतयोऽपि देवाः

सिद्धादिसङ्घास्तव पादपद्मम् ।

ध्यायन्ति गायन्ति नमन्ति नित्यं

दिव्यं पदं तद्विनयेन याचे ॥ ७ ॥

मोहान्धकारेऽति ममत्वगते

भ्रष्टोऽस्मि मातः परिपाहि मां त्वम् ।

श्री रामकृष्ण-प्रकृति-स्वरूपे

श्री शारदे त्वां शरणं प्रपद्ये ॥ ८ ॥

देवि प्रसीद प्रणतार्तिहन्त्री

प्रसीद मातः परमेश्वरि त्वम् ।

प्रसीद देवेशि सदा प्रसीद

प्रसीद विश्वेश्वरि पाहि नस्त्वम् ॥ ९ ॥


ॐ दुस्तारार्णव संसारे नृणामेको गतिर्हि या ।

तस्यै तु शारदादेव्यै शिवायै च नमो नमः ॥ १० ॥


इति ब्रह्मचारिबादलेनविरचितं “श्रीश्रीशारदादेवीस्तोत्रम्” सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Shri Sharada Devi Stotram*

pdf was typeset on June 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

